कभी वेतन के पैसे नहीं थे, आज यूपी अग्रणी अर्थव्यवस्था: योगी

बैठक

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार, उद्यमियों का स्वागत करता है। उन्होंने इस अवसर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती है। जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है।

लंबे समय तक बीमारू राज्य रहा है यूपी : मुख्यमंत्री ने फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और इंकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत की जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है, फिर भी यह लंबे समय तक 'बीमारू' राज्य के रूप में जाना जाता था।

लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फिक्की की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में शामिल हुए।

यूपी अब बीमारू राज्य नहीं, भारत का ग्रोथ इंजन बना

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राज्य ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है।

2018

की इन्वेस्टर समिट और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा

प्रदेश में कानून का शासन

सीएम ने कहा कि पहले प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के कारण लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर थे। आज पूरे राज्य में कानून का शासन स्थापित है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी भी मौजूद थे।

निवेश और औद्योगिक विकास के लिए बनाई गईं योजनाएं

मुख्यमंत्री ने एक उदाहरण साझा किया कि 2017 में मुंबई में एक उद्यमी ने उनसे सुरक्षा की गारंटी मांगी थी। उस उद्यमी ने बाद में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया और 2023 में उत्तर प्रदेश को निवेश का 'ड्रीम डेस्टिनेशन' बताया। फिक्की अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुई महाकुंभ और अयोध्या के कायाकल्प को प्रदेश में आए ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक बताया। हर्षवर्धन ने कहा कि क्रानून-व्यवस्था से लेकर विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट तक, कारोबार में सुगमता से लेकर सेक्टोरल पॉलिसियों तक, यह प्रगति अभूतपूर्व है। उन्होंने ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राज्य की महत्वाकांक्षा को साहसी और समय के अनुरूप बताया। फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के चेयरमैन मनोज गुप्ता ने औद्योगिक माहौल को और बेहतर बनाने के लिए दो सुझाव दिए, जलमार्गों के उपयोग को सक्रिय करना और औद्योगिक भूमि को फ्री-होल्ड में बदलना।